सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 176 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 1 अगस्त, 2023
मूल्य ₹ 3/-

दो चीजों की आदत डालिए, मदद करने की या कम से कम कोई नुकसान ना पहुंचाने की।

-हिप्पोक्रेटीस

बुमराह को टीम इंडिया की कमान... 7 | यूपी में चढ़ने लगा है चुनावी... 3 | अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस को पहली... 2

सरकार की नाकामी से आग लग गई हरियाणा में

» नूंह में दो समुदायों के बीच झड़प, गुरुग्राम तक पहुंची हिंसा

» खट्टर सरकार पर बरसा विपक्ष, इंटरनेट सेवा निलंबित, लगा कर्फ्यू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अभी मणिपुर हिंसा की आग थमी भी नहीं थी कि सरकार की नाकामी की एक और घटना सामने आ गई। भाजपा शासित राज्य हरियाणा भी दो समुदायों के बीच बवाल के बाद जल उठा। बवाल का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस हिंसक पत्थरबाजी में पांच लोगों की जान चली गई जबकि कई लोग घायल हो गए। नूंह जिले में घटी इस घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रदेश सरकार ने वहां पर कर्फ्यू लगा दिया है साथ ही इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी है। हिंसा प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी पहुंच गया है।

इस घटना के बाद खट्टर सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। हालांकि सीएम ने इसके पीछे साजिश होने का कारण बताया। उधर नूंह हिंसा की आग अब सोहना के बाद गुरुग्राम तक फैल चुकी है, गुरुग्राम में भीड़ ने एक मस्जिद में आग लगा दी। एक धार्मिक जुलूस के दौरान दो समूहों के बीच झड़प हो गई।

बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की पोस्ट बनी झड़प की वजह

कुछ दावों के मुताबिक, बल्लभगढ़ में बजरंग दल के एक कार्यकर्ता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया जो झड़प की वजह बना। ऐसी भी खबरें थी कि राजस्थान में दो मुस्लिम व्यक्तियों की हत्या में वांछित गोरक्षक मोनू मानेसर को जुलूस में शामिल होना था। लेकिन विहिप की सलाह पर उसने जुलूस में भाग नहीं लिया, क्योंकि उन्हें डर था कि मोनू मानेसर के जुलूस में शामिल होने से तनाव पैदा हो सकता है, वहीं ट्विटर पर मोनू मानेसर को कथित तौर पर नूंह आने की चुनौती देने की धमकियां भी दी गई थी।

विश्व हिंदू परिषद और मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी की तरफ से निकाली जा रही ब्रजमंडल यात्रा के दौरान दोनो गुटों में टकराव के बाद पथराव और आगजनी हुई। इस दौरान उपद्रवियों ने पुलिस पर भी पथराव किया गया और कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। इस घटना के बीच उपद्रवियों के एक समूह ने कथित तौर पर पुलिस स्टेशन से आपराधिक रिकॉर्ड गायब करने का प्रयास किया। इस घटना ने संदेह पैदा कर दिया है कि यह हाल ही नूंह में बड़े पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी को लेकर पुलिस द्वारा दर्ज कई मामलों में सबूत नष्ट करने का प्रयास हो सकता है।

पुलिस की 20 कंपनियां तैनात

नूंह जिले में हिंसा के बाद अर्धसैनिक बलों की 20 कंपनियां और हरियाणा पुलिस बल की भी 20 कंपनियां तैनात की गई है। नूंह एसपी नरेंद्र बिजारणिया ने बताया कि उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. वहीं उन्होंने आम जनता से शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। वहीं नूंह हिंसा को लेकर नूंह उपायुक्त कैंप कार्यालय में शांति समिति की बैठक की गई। नूंह एसपी नरेंद्र बिजारणिया ने बताया कि हिंदू और मुस्लिम दोनों कमेटियों को बातचीत के लिए बुलाया गया है। पहले दोनों की अलग-अलग बैठकें की है और एक बार कॉमन ग्राउंड तैयार होते ही आज शाम कॉमन बैठक की जाएगी।

बवाल से मेरा कोई लेना देना नहीं : मानेसर

हरियाणा में नूंह में हुई हिंसा को लेकर मोनू मानेसर का पहला बयान सामने आया है। मोनू मानेसर ने कहा कि मैं कल नूंह नहीं गया, नूंह में हुए बवाल से मेरा कोई लेना देना नहीं है।

हिंसक घटना वायरल वीडियो की देन : आफताब

नूंह विधायक आफताब अहमद ने कहा कि जिले में हुई हिंसक घटना सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले विवादित वीडियो की देन है। यहां यात्रा पहले भी निकलती थी और सौहार्द पूर्ण वातावरण में दोनों धर्मों के लोग शामिल होते थे मेरा मानना है की एक साजिश के तहत वीडियो बनाकर मोनू मानेसर और बिट्टू बजरंगी ने प्रसारित किया जिसके चलते यहां का माहौल खराब हुआ और हिंसक घटना हुई। पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह से नाकाम रहा घटना की न्यायिक जांच होनी चाहिए।

मोदी सरकार के अविश्वास प्रस्ताव की तारीख तय

» 8 अगस्त से संसद में होगी चर्चा, 10 को पीएम देंगे जवाब

» नौवें दिन भी सदन में जोरदार हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर के मुद्दे पर मानसून सत्र के नौवें दिन भी संसद में शोर-शराबा जारी है। सुबह लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही जल्द ही हंगामे के चलते स्थगित हो गई।

दोपहर 12 बजे विपक्षी सदस्यों के भारी हंगामे के बीच उच्च सदन की कार्यवाही शुरू हुई। मणिपुर-मणिपुर के नारे के बीच सवाल-जवाब का दौर चला। उधर लोक सभा कार्यालय के अनुसार अविश्वास प्रस्ताव पर 3 दिन चर्चा होगी, जो 8 से शुरू होकर 10 अगस्त तक चलेगी। आखिर में पीएम मोदी 10 अगस्त को जवाब देंगे।

धनखड़ ने लगाई फटकार

इससे पहले सवा 11 बजे राज्यसभा के सभापति ने कहा कि मुझे सदन को यह बताते हुए दुख हो रहा है कि हमारे ऐवशन से उच्च सदन की कार्यवाही पिछले आठ दिनों से ठीक तरह से नहीं चली। वह भी उस मुद्दे पर, जिस पर मैंने 20 जुलाई को ही रूलिंग दे दी थी। मणिपुर के मुद्दे पर रूल 176 के तहत संक्षिप्त चर्चा स्वीकार की गई लेकिन कल चर्चा बाधित हो गई। कल मैंने सदन के नेताओं से बात की है कि ढाई घंटे का समय मणिपुर पर चर्चा के लिए दिया जा सकता है।

नीतीश के ड्रीम प्रोजेक्ट को अदालत की मंजूरी

» हाईकोर्ट से जाति जनगणना को हरी झंडी, सभी याचिकाएं खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नौ या छह- बिहार में यह कहावत खूब चलती है। पटना हाईकोर्ट अपने अंतरिम फैसले से आगे अंतिम फैसले में यही करेगा।

हाईकोर्ट ने पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट की दी तारीख के अंदर बिहार में जातीय जनगणना को लेकर उठ रहे सवालों पर सुनवाई कर ली। चीफ जस्टिस के विनोद चंद्रन व जस्टिस पार्थ सार्थी की खंडपीठ ने लगातार पांच दिनों तक (3 से लेकर 7 जुलाई तक) याचिकाकर्ता और बिहार सरकार की दलीलें सुनीं।

डाटा को यथास्थिति सुरक्षित करने का आदेश

पटना हाईकोर्ट ने 4 मई को अंतरिम आदेश दिया और कुछ ही घंटे में सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश पर तमाम जिलाधिकारियों के जरिए गणना में लगे सारे कर्मियों तक एक लाइन का मैसेज पहुंच गया कि डाटा को यथास्थिति सुरक्षित किया जाए। इसके बाद क्या हुआ? दरअसल, भले ही सरकार ने 80 प्रतिशत काम पूरा होने की बात की है लेकिन सच्चाई यही है कि यह आंकड़ा कागज पर जानकारी जुटाने वालों का है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस को पहली तिमाही में भारी लाभ

» वित्त वर्ष 2024 के राजस्व में सालाना 19 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। भारत की सबसे बड़ी निजी ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी तथा विश्व स्तर पर विविधीकृत अदाणी पोर्टफोलियो का हिस्सा, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही में अपनी फाइनेंशियल और ऑपरेशनल परफॉर्मेंस की घोषणा की। तिमाही के दौरान 649 करोड़ रु. का समेकित नकद लाभ सालाना आधार पर 11 प्रतिशत कम दर्ज किया गया। इसका कारण सहायक कंपनी एईएमएल से लाभांश पर 65 करोड़ रु. के एकमुश्त कर प्रभाव और विकल्प अनुबंधों से सीसीएस में जाने पर हेजिंग लागत के लिए 20 करोड़ रु. के अतिरिक्त कैश आउट है।

सहायक कंपनी से लाभांश आय समेकित स्तर पर समाप्त हो जाती है।वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में समेकित राजस्व में नई कमीशन की गई लाइनों से वृद्धिशील राजस्व, कुछ तत्वों की आंशिक कमीशनिंग और मुंबई वितरण व्यवसाय में ऊर्जा खपत में वृद्धि के कारण दोहरे अंकों में वृद्धि देखी गई। ईबीआईटीडीए बढ़कर 1,378 करोड़ रु. हो गया, जिसमें सालाना आधार पर 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। सालाना 70 प्रतिशत की वृद्धि के आधार पर पीबीटी 343 करोड़ रु, दर्ज किया गया।

एईएसएल का विकास पथ मजबूत बना हुआ है : सरदाना

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड के एमडी, अनिल सरदाना ने कहा, एईएसएल लगातार विकसित हो रहा है और पहले से ही टी एंड डी सेक्टर में एक महत्वपूर्ण प्लेयर है। चुनौतीपूर्ण व्यापक आर्थिक माहौल के बावजूद, एईएसएल का विकास पथ मजबूत बना हुआ है। हमारे प्रोजेक्ट्स की पाइपलाइन और हाल ही में परिचालन में आई संपत्तियां, हमारी पैन इंडिया उपस्थिति को और मजबूत कर रही हैं और भारत में सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के रूप में, हमारी स्थिति को मजबूत बना रही हैं। एईएसएल लगातार अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ होने के लिए बेंचमार्क कर रहा है ।

भारत की नंबर 1 पावर यूटिलिटी कंपनी बनी

27 जुलाई, 2023 से अदाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड (एटीएल) का नाम बदलकर अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) कर दिया गया है। नया नाम स्मार्ट मीटरिंग, डिस्ट्रिक्ट कूलिंग सॉल्यूशंस और अन्य ऊर्जा समाधानों में बड़े अवसरों को इस्तेमाल करने और ट्रांसमिशन व डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर्स में अग्रणी स्थिति बनाए रखने का रास्ता प्रशस्त करता है। इस विकास यात्रा को पारंपरिक और गैर-पारंपरिक व्यावसायिक क्षेत्रों में शुरू करने के उद्देश्य से, एटीएल ने खुद को एईएसएल के रूप में रिब्रांड किया है।

पर्यावरण प्रबंधन में प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक अवार्ड

एईएसएल ने पर्यावरण प्रबंधन में प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक अवार्ड (जीपीईएमए) भी अपने नाम किया है। यह अवार्ड सस्टेनेबल प्रैक्टिस के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एईएसएल ने 5एस पर 9वें नेशनल कॉन्क्लेव में पांच पार-एक्सीलेंस अवार्ड्स जीते, जिसे प्रतिष्ठित क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया एचक्यू क्यूसीएफआई द्वारा आयोजित किया गया था, जो बिजनेस एक्सीलेंस के प्रति अपनी अद्वितीय प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करता है। बीडब्ल्यू बिजनेस वर्ल्ड की वार्षिक रैंकिंग में एईएसएल, भारत की सबसे सस्टेनेबल कंपनियों में शीर्ष 50 में है। सस्टेनेबल प्रैक्टिसेज को प्राथमिकता देने के लिए एईएसएल को शीर्ष 3 सबसे टिकाऊ कंपनियों में शामिल है।

मणिपुर हिंसा पर चर्चा नहीं चाहती सरकार : राघव चड्ढा

» 65 सांसदों ने संसद में दी है नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र जारी है। मणिपुर हिंसा को लेकर आम आदमी पार्टी समेत सभी विपक्षी दल सरकार पर निशाना साध रहे हैं। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा से सांसद राघव चड्ढा ने भाजपा सरकार पर निशाना साथा। उन्होंने साफ कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार मणिपुर पर चर्चा नहीं करना चाहती है। बीते 11 दिनों से संसद का सत्र चल रहा है। पहली बार राज्यसभा के 65 सांसदों ने मणिपुर हिंसा विवाद पर चर्चा के लिए नोटिस दिया।

अगर सरकार चर्चा चाहती तो किसी भी एक सांसद का नोटिस स्वीकार कर लेती। जवाहर लाल नेहरु से लेकर मनमोहन सिंह तक कई प्रधानमंत्री ने इस नोटिस के तहत विस्तार से चर्चा की है। आप राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने संसद परिसर में मणिपुर पर चर्चा को लेकर कहा कि सरकार मणिपुर हिंसा पर चर्चा नहीं करना चाहती है। संसद में मानसून सत्र बीती 20 जुलाई को शुरू हुआ था। आज 11 दिन हो चुके हैं। लेकिन अभी तक सरकार ने चर्चा के लिए दिन नहीं निकाला है। बाकी दिनों में विधायी कार्य हो सकते थे।

आरक्षण को खत्म करने की साजिश हो रही है : खाबरी

» सिर्फ कांग्रेस लड़ रही दलितों के हक की लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि देश की भाजपा सरकार अनुसूचित जाति/जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को खत्म करने की साजिश लगातार रच रही है। सिर्फ वोट बैंक मानने वाले लोग आज दलितों, पिछड़ों के हक में आवाज उठाने के बजाए चुप्पी साधे हैं, दलितों पिछड़ों के हक और हकूक के लिए और संविधान की रक्षा के लिए उप्र में कांग्रेस पार्टी प्रदेश के सभी जिलों में 'संविधान बचाओ संकल्प सभा' का आयोजन कर रही है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी संविधान को बचाने के लिए लगातार संघर्ष

कर रहे हैं पूरी कांग्रेस पार्टी देश भर में संविधान को बचाने के लिए आवाज उठा रही है। सभी लोगों को एकजुट होकर कांग्रेस पार्टी के साथ आगे आना होगा। अध्यक्ष आगरा के संतकबीर आश्रम में "वृहद स्तर पर आयोजित जाटव समाज के बुद्धिजीवी सम्मेलन" को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री जीपी पुष्कर एवं संचालन बच्चन सिंह ने किया।

बीजेपी नारा देती है, काम नहीं करती: अखिलेश

» बोले-बरेली में भाजपा के लोग कराना चाहते थे दंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रभाकर चौधरी के तबादले को लेकर यूपी सरकार पर निशाना साधा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बरेली में भाजपा के लोग दंगा कराना चाहते थे। जिस अधिकारी ने दंगा होने से रोका, उसे सरकार ने हटा दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो कानून व्यवस्था की बात करता है, उसे भ्रष्ट भाजपा सरकार बर्खास्त कर देती है। भाजपा ने सिर्फ नारे दिए हैं। कोई काम नहीं किया है।

भारत सिर्फ बातों से नहीं ठोस कामों से बदलेगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन भाजपा के एनडीए गठबंधन को हराएगा। सपा मुखिया ने कहा कि भारत की पहचान सामाजिक सद्भाव, भाईचारा, हिन्दू-मुस्लिम एकता से है। भाजपा नकारात्मक राजनीति कर रही है। देश की हालत बेहद खराब है। मणिपुर के मुद्दे पर सरकार चुप है। समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन में शामिल दलों को साथ लेकर भाजपा को हराएगी। बता दें कि रविवार को जोगी नवादा में कांवड़ियों की भीड़ में शामिल अराजकतत्वो ने फायरिंग कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ा दिया था।

योगी बताएं सीएम आवास को गंगा जल से क्यों धुलवाया

ज्ञानवापी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राय पर पूर्व मुख्यमंत्री व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास की दीवारें चिल्ला-चिल्ला कर रह रही हैं कि हमें गंगा जल से क्यों धुलवाया गया। वर्ष 2017 में जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीएम की कुर्सी संभाली थी तो अखिलेश यादव का कहना है कि योगी ने मुख्यमंत्री के कालीदास मार्ग स्थित आवास को गंगाजल से धुलवाया था। अखिलेश मानते हैं कि पिछड़ा वर्ग के सीएम के आवास में रहने के चलते योगी ने वहां गंगाजल छिड़कवाया। यहां बता दें कि सीएम ने कहा है कि ज्ञानवापी की दीवारें चिल्ला-चिल्लाकर इसके मंदिर होने का प्रमाण दे रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान सामाजिक सद्भाव, भाईचारा, हिन्दू-मुस्लिम एकता से है। भाजपा नकारात्मक राजनीति कर रही है। देश की हालत बेहद खराब है। मणिपुर के मुद्दे पर सरकार चुप है। समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन में शामिल दलों को साथ लेकर भाजपा को हराएगी।

युवाओं के भविष्य के लिए काल बनी भाजपा

» कांग्रेस सरकार बनने पर होगी पटवारी भर्ती परीक्षा की जांच : पीसी शर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में पटवारी भर्ती परीक्षा में सियासत जारी है। कांग्रेस ने शिवराज सरकार पर निशाना साधते हुए पांच सवाल पूछे। साथ ही कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर भर्ती परीक्षा की नए सिरे से जांच कराएंगे। कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कहा कि युवाओं एवं विद्यार्थियों के भविष्य के लिए काल बन चुकी भारतीय जनता पार्टी युवाओं को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। व्यापमं घोटाले की हैट्रिक लगाते हुए व्यापमं-3 घोटाला, जो कि पटवारी भर्ती परीक्षा के माध्यम से सामने आया है, इसमें भाजपा के नेताओं ने कितने करोड़ का खेल किया है यह भाजपा को बताना चाहिए।

शर्मा ने शिवराज सरकार से प्रश्न किया कि परीक्षा की जांच के लिए एक सदस्यीय जांच आयोग बनाया गया। क्या यह सच है कि अभी तक आयोग को जांच के लिए दफ्तर नहीं दिया गया। क्या भाजपा सरकार ने उनको व्यापमं कार्यालय जाकर जांच करने के निर्देश दिए हैं। क्या भाजपा जांच आयोग की आड़ में गड़बड़ी करने वालों को बचा कर उनकी गिरफ्तारियां टालने की कोशिश में लगी हुई है। सरकार बताए कि अब तक कितनी गिरफ्तारियां इस मामले में की गई? लाखों बच्चों के

9000 पटवारियों की भर्ती में करोड़ों का खेल

भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए भर्ती पर रोक लगाई गई तो किन भाजपा नेताओं का इसके पीछे हाथ है? जांच आयोग की ओर से अब तक क्या कोई प्राथमिक रिपोर्ट जारी की गई है। यदि नहीं तो कब तक यह रिपोर्ट जारी की दी जाएगी। 9000 पटवारियों की भर्ती में भारतीय जनता पार्टी ने कितने करोड़ का खेल किया है तथा प्रति पटवारी कितने लाख की बोली लगाई गई है इस बात का जवाब भाजपा और उसके नेता दें? बता दें कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित पटवारी परीक्षा में भाजपा नेता के कॉलेज से टॉप 10 में से सात टॉपर चुने जाने का मामला सामने आया था। इसके बाद पटवारी परीक्षा में दिव्यांग और वन विभाग की परीक्षा में कई सवाल उठे।

कांतिलाल भूरिया कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के बने अध्यक्ष

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के इसी साल के अंत में चुनाव है। इससे पहले भाजपा और कांग्रेस दोनों ही तैयारी में जुट गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की समहति के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस की चुनाव अभियान समिति की घोषणा कर दी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और आदिवासी वर्ग से आने वाले कांतिलाल भूरिया को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। 32 सदस्य समेत समिति में सभी फ्रंटल हेड और विभागों के अध्यक्षों को शामिल किया गया है। समिति में पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पूर्व पीसीसी चीफ और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, अजय सिंह राहुल, विवेक तन्खा, राजमणि पटेल, नकुल नाथ, सज्जन सिंह वर्मा, एनपी प्रजापति, केपी सिंह, लक्ष्मण सिंह, बाला बच्चन, तरुण भनोत भी शामिल।

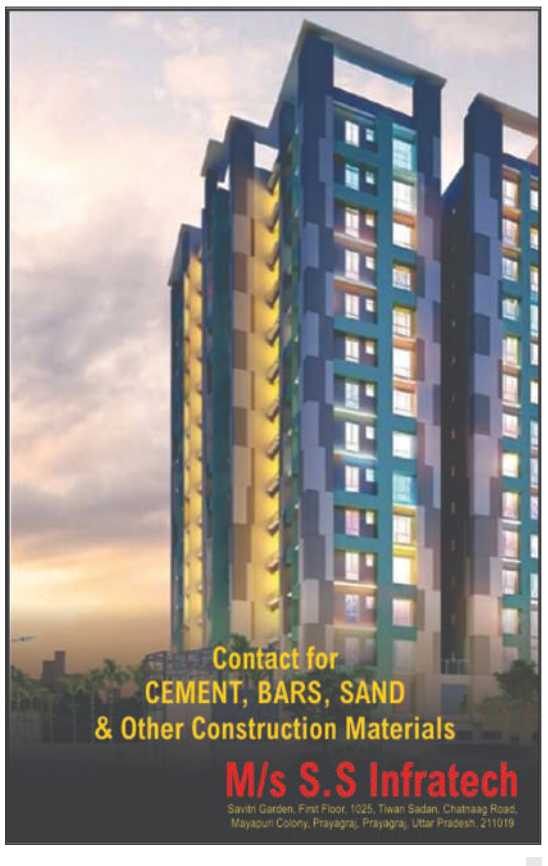

यूपी में चढ़ने लगा है चुनावी पारा

भाजपा-कांग्रेस की नजरें आम जन पर

यूपी में बसपा ताकत बढ़ाने की फिराक में

लोकसभा चुनाव 2024 में बसपा तीसरी ताकत बनने की कोशिश में है। बसपा न एनडीए में है और न ही विपक्ष इंडिया में शामिल हुई है। मायावती का पूरा फोकस इस पर है कि तीसरा ऐसा मोर्चा बनाया जाए जो इतना मजबूत हो कि सरकार चाहे किसी की भी बने, उसे मजबूर कर दे। यानी राजनीतिक हिस्सेदारी के लिए मायावती ने अपने नए फार्मूले पर काम शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि इसके लिए मायावती औवेसी की पार्टी आईएमआईएमआई व अन्य किनारे खड़े दलों को साथ ले सकती हैं। ऐसे कई मौके आए जब सियासी गठबंधन का बसपा को लाभ ही हुआ। हालांकि वर्ष 2007 में बसपा ने अकेले अपने दम पर यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई पर इसके अलावा लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव में गठबंधन से बसपा की ताकत ही बढ़ी। अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस के प्रदेश में बीजेपी की सरकार गिर गई थी। ऐसे में 1993 में विधानसभा चुनाव हुए। बीजेपी को रोकने के लिए बसपा संस्थापक कांशीराम और सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव ने हाथ मिला लिया था। दोनों ने मिलकर बीजेपी को यूपी से साफ कर दिया था। बसपा 164 सीट पर लड़कर 67 सीटें जीत गई थी। 12 सीटों से उछलकर बसपा सीधे 67 सीटों पर पहुंची थी। वर्ष 1993 में बसपा का वोट मात्र 11 प्रतिशत। भाजपा को 34 प्रतिशत वोट मिले थे। बावजूद इसके गठबंधन भाजपा पर भारी पड़ा था। मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री बने थे लेकिन 1995 में यह गठबंधन टूट गया था। भाजपा के समर्थन से ही बसपा प्रमुख मायावती 1995 में पहली बार उप्र की मुख्यमंत्री बनीं। हालांकि छह महीने के बाद गिर गई, जिसके चलते यूपी में साल 1996 में विधानसभा चुनाव हुए। अब बसपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा। इसका असर सपा के साथ हुई गठबंधन जैसा तो नहीं रहा पर बसपा के वोटों में खूब बढोतरी हुई। उसे 27.73 प्रतिशत वोट मिले थे। बसपा 300 सीटों पर लड़कर 66 और कांग्रेस 125 सीटों पर लड़कर 33 सीटें जीतने में सफल रही थी। हालांकि यह गठबंधन टूटा और बसपा ने 1997 में बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बना ली थी।

» विपक्ष का गठबंधन आईएनडीआईए भी मुस्तैद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में धीरे-धीरे सियासी दल 2024 की चुनावी तैयारी में जुटने लगे हैं। कांग्रेस,सपा, बसपा, रालोद के साथ-साथ यहां की छोटे-छोटे दल इस बार की लोक सभा चुनाव में अपना भाग्य आजमना चाहते हैं। सारे दलों की नजर यूपी की 80 लोक सभा सीटों पर है। इसी के चलते कांग्रेस से लेकर सपा तक के नेता पूरे राज्य में अपनी पैठ बनाने के लिए दौरे पर दौरा करना चाहते हैं।

सभी पार्टियां अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार प्रदेश के सारे विधान सभाओं से जुड़ी लोकसभा सीटों पर कब्जा जमाना चाहती हैं। ये तो आने वाला समय ही बातएगा कि 'इंडिया' को भारत के लोगों को साथ मिलता है या एनडीए को । पर इसमें इसमें को शक नहीं है मोदी सरकार से अभी आमजन कुछ दूर हुआ है।

राजस्थान-हरियाणा में भी दो-दो सीटों पर दावा ठोकेगी सपा

इंडिया के घटक दल कांग्रेस के लिए यूपी में गठबंधन के तहत कुछ सीटें दी जाएंगी, तो बदले में सपा भी राजस्थान और हरियाणा में दो-दो सीटों पर अपना दावा प्रस्तुत करेगी। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है तो हरियाणा में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस है। सपा नेताओं का तर्क है कि राजस्थान के अलवर, जयपुर देहात, सीकर और भरतपुर लोकसभा क्षेत्रों में यादव मतदाताओं की संख्या अच्छी खासी है। इसलिए इनमें से दो सीटों पर सपा के सिंबल पर उम्मीदवार उतारे जाने चाहिए। इसी तरह से हरियाणा में यादव बहुल गुड़गांव और रोहतक सीटों पर सपा दावा करेगी।

बसपा को गठबंधन से हुआ था लाभ

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा पूरी तरह से साफ हो गई। बसपा का एक भी उम्मीदवार नहीं जीता। आखिरकार पिछले चुनाव यानी वर्ष 2019 में 26 साल बाद फिर बसपा सपा-आरएलडी के साथ गठबंधन में आईं। हैरत की बात यह रही कि इस चुनाव में ने रालोद प्रमुख चौधरी अजित सिंह जीते और न ही उनके पुत्र जयंत चौधरी पर बसपा जीरो से 10 सीटों पर आ गई। सपा को मात्र पांच ही सीटें मिल पाईं। सबसे ज्यादा लाभ बसपा को ही हुआ।

पर अब गठबंधन से दूरी

बसपा का वोट बैंक वर्ष 2012 में करीब 26 फीसदी, 2017 में 22.4 और 2022 में 12.7 फीसदी पर पहुंच गया है। वोटर लगातार छिटक रहे हैं। काडर वोटर तक संभालना मुश्किल हो रहा है पर बसपा ने इस चुनाव में भी अकेले लड़ने की बात कहकर सभी को चौंकाया है। चर्चाएं तमाम हैं। विपक्षी बसपा को भाजपा की बी टीम बताते हैं।

सपा का अन्य राज्यों पर नजर

सपा नेतृत्व पश्चिम बंगाल में अपने नेता किरणमय नंदा को लोकसभा चुनाव लड़ाने के लिए एक सीट मांगेगा। अगर विपक्षी समावेशी गठबंधन इंडिया ने वहां सपा को एक सीट दी तो इसके एवज में यूपी में एक सीट तृणमूल कांग्रेस के लिए दी जा सकती है। इसी तरह से राजस्थान और हरियाणा में भी सपा इंडिया से दो-दो सीट मांगने की तैयारी में है। सपा की तरह ही तृणमूल कांग्रेस भी राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना चाहती है। इसी साल अप्रैल में चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा वापस ले लिया था। इसके लिए तृणमूल कांग्रेस और सपा, दोनों ही अपने-अपने आधार वाले राज्य के अलावा दूसरे राज्यों में भी पैर फैलाना चाहती हैं। सपा सूत्रों के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस यूपी में एक सीट पर अपने सिंबल पर प्रत्याशी उतारना चाहती है। इसके लिए कांग्रेस छोड़कर तृणमूल का दामन थामने वाले पूर्व विधायक ललितेश पति त्रिपाठी काफी समय से प्रयासरत भी बताए जाते हैं।बताते हैं कि इस मुद्दे को लेकर सपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच काफी हद तक सहमति बन चुकी है, लेकिन सपा ने भी किरणमय नंदा के लिए पश्चिम बंगाल में एक सीट मांगी है। किरणमय नंदा वर्तमान में सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं और लंबे समय से पश्चिम बंगाल की वाम मोर्चा सरकार में मंत्री रहे हैं। दोनों पक्षों के लिए एक-दूसरे के राज्य में कौन सी सीट मुफीद रहेगी, इस पर विचार चल रहा है। यूपी में तृणमूल को पूर्वांचल में एक सीट मिलने की उम्मीद है। इंडिया गठबंधन के तहत बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को यूपी से चुनाव लड़ाया जा सकता है। इस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। नीतीश कुमार कुर्मी बहुल मिर्जापुर या प्रयागराज की फूलपुर लोकसभा सीट से लड़ सकते हैं। समाजवादियों का मानना है कि नीतीश कुमार के यूपी से लड़ने पर उनके सजातीय कुर्मी वोट पूरे प्रदेश में इंडिया गठबंधन के साथ आ सकता है। हालांकि, नीतीश के यूपी से लोकसभा चुनाव लड़ने पर सपा बिहार में एक सीट पर अपने प्रत्याशी को लड़ाना चाहेगी।

मप्र में बिछ रही चुनावी बिसात

कांग्रेस व भाजपा ने कसी कमर

शाह-प्रियंका के दौरे से हुआ शंखनाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश में इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को सत्तारूढ़ भाजपा के अभियान का शंख फूंका। उधर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने जताया कि वह शाह के दौरे को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हैं, जबकि राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए सत्तारूढ़ भाजपा के प्रदेश नेतृत्व को निर्जीव, निराशाजनक और निकम्मा तक कह दिया। शाह के दौरे को लेकर कमलनाथ ने यहां बेहद संक्षिप्त प्रतिक्रिया में कहा,''शाह बड़ी खुशी से (मध्यप्रदेश) आएं। यह उनकी इच्छा है।

चुनाव आने वाले हैं। चुनाव के मद्देनजर सब नेता आते-जाते रहते हैं। भाजपा ने राज्य में 2003 के विधानसभा चुनाव के दौरान उमा भारती की अगुवाई वाले प्रचार अभियान में तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के खिलाफ ''श्रीमान बंटाधार'' शब्द का इस्तेमाल किया था, जबकि पिछले महीने अज्ञात लोगों द्वारा लगाए गए पोस्टरों पर कमलनाथ की तस्वीर के साथ ''करप्शन नाथ'' के संबोधन का उपयोग किया गया था।

20 साल के दौरान भाजपा के मुख्यमंत्रियों ने अक्षमता से राज्य का किया नेतृत्व

इस बीच, दिग्विजय सिंह ने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव से पहले शाह का मैदान में उतरना प्रमाणित करता है कि पिछले 20 साल के दौरान भाजपा के मुख्यमंत्रियों ने कितनी अक्षमता से राज्य का नेतृत्व किया है। दिसम्बर 1993 से दिसम्बर 2003 के बीच राज्य के मुख्यमंत्री रहे सिंह ने कहा,''भाजपा का प्रदेश इतना नेतृत्व निर्जीव, निराशाजनक और निकम्मा है कि (अगले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर) शाह को राज्य में आना पड़ रहा है।'' शाह ने यहां भाजपा के ''विजय संकल्प सम्मेलन'' के दौरान विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को सत्तारूढ़ भाजपा के अभियान का शंख फूंका और पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे रिकॉर्ड बहुमत की सरकार बनाने को मैदान में उतर जाएं। केंद्रीय गृह मंत्री ने सम्मेलन में अपने भाषण में श्रीमान बंटाधार और करप्शन नाथ जैसे संबोधनों का बार-बार इस्तेमाल करके मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के खिलाफ भाजपा के चुनाव प्रचार की रणनीति की स्पष्ट झलक भी पेश की। भाजपा ने राज्य में 2003 के विधानसभा चुनाव के दौरान उमा भारती की अगुवाई वाले प्रचार अभियान में तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के खिलाफ ''श्रीमान बंटाधार'' शब्द का इस्तेमाल किया था, जबकि पिछले महीने अज्ञात लोगों द्वारा लगाए गए पोस्टरों पर कमलनाथ की तस्वीर के साथ ''करप्शन नाथ'' के संबोधन का उपयोग किया गया था।

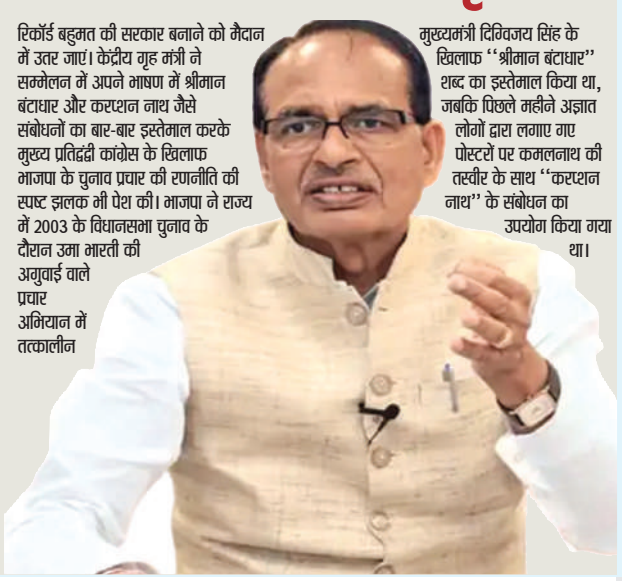

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महिला उत्पीड़न की निगरानी पर बने तंत्र

मणिपुर में दो महिलाओं के साथ दरिंदगी से देश को शर्मसार करने वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। शीर्ष अदालत दो महिलाओं पर भीड़ द्वारा किए गए हमले से संबंधित मामले की सुनवाई को स्थानांतरित करने के केंद्र सरकार के अनुरोध पर विचार कर रहा है। उसने इस दौरान कड़े शब्दों में कहा कि घटना को यह कहकर उचित नहीं ठहरा सकते कि ऐसा और भी कहीं हुआ है।

मणिपुर मामले में दो पीड़ित महिलाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट सरकारों को कड़ी फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह एकमात्र घटना नहीं है जहां महिलाओं के साथ मारपीट या उत्पीड़न हुई है, अन्य महिलाएं भी हैं। कोर्ट ने कहा हमें महिलाओं के खिलाफ हिंसा के व्यापक मुद्दे को देखने के लिए एक तंत्र भी बनाना होगा। इस तंत्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसे सभी मामलों का ध्यान रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह दोनों पक्षों को संक्षेप में सुनेगा और फिर कार्रवाई के सही तरीके पर फैसला करेगा। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल कोई साक्ष्यात्मक रिकॉर्ड पेश नहीं किए गए हैं। वहीं सीजेआई ने कहा कि पहले याचिकाकर्ताओं को सुनते हैं उसके बाद अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल को सुना जाएगा। मणिपुर में दो महिलाओं के साथ दरिंदगी से देश को शर्मसार करने वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। शीर्ष अदालत दो महिलाओं पर भीड़ द्वारा किए गए हमले से संबंधित मामले की सुनवाई को स्थानांतरित करने के केंद्र सरकार के अनुरोध पर विचार कर रहा है।

उसने इस दौरान कड़े शब्दों में कहा कि घटना को यह कहकर उचित नहीं ठहरा सकते कि ऐसा और भी कहीं हुआ है। शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान पीड़ित महिलाओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि महिलाएं मामले की सीबीआई जांच और मामले को असम स्थानांतरित करने के खिलाफ हैं। सिब्बल ने आगे कहा कि पीड़ित महिलाओं में से एक के पिता और भाई की हत्या कर दी गई थी। उनके अभी तक शव नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि 18 मई को जीरो एफआईआर दर्ज की गई। जब कोर्ट ने संज्ञान लिया, तब कुछ हुआ। तो फिर हम क्या भरोसा रखें? ऐसी कई घटनाएं होंगी। इसलिए हम एक ऐसी एजेंसी चाहते हैं जो मामले की जांच करने के लिए स्वतंत्र हो। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मुकदमे को असम स्थानांतरित करने का हमने कभी अनुरोध नहीं किया। हमारी मांग यह है कि इस मामले को मणिपुर से बाहर स्थानांतरित किया जाए। सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने पूछा कि तीन मई को जब मणिपुर में हिंसा शुरू हुई थी, उसके बाद ऐसी कितनी एफआईआर दर्ज की गई हैं। इस पर वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने बताया कि केंद्र की स्टेटस रिपोर्ट के मुताबिक, 595 एफआईआर दर्ज की गई हैं। जयसिंह ने कहा कि जहां तक कानून का सवाल है, दुष्कर्म की पीड़िताएं इस बारे में बात नहीं करतीं। वे सामने नहीं आतीं। इसलिए सबसे पहले आत्मविश्वास पैदा करना जरूरी है। आज हमें नहीं पता कि अगर सीबीआई जांच शुरू कर दे तो महिलाएं सामने आ जाएंगी। पुलिस की बजाय महिलाओं से घटना के बारे में बात करने में पीड़ित महिलाओं के लिए सहूलियत होगी। एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति होनी चाहिए, जिसमें नागरिक समाज की महिलाएं हों, जिनके पास इससे निपटने का अनुभव हो।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

इंसानी नादानी से उपजी अभूतपूर्व बाढ़ की स्थिति

इंद्रजीत सिंह

तपती गर्मी के बाद मानसून की झड़ी का सभी को बेताबी से इंतजार रहता है। किसान-मजदूर, शहर-देहात, बच्चे-बूढ़े और जीव-जंतु बादलों के दीदार के लिए आसमान की ओर तरसती निगाहों से देखते रहते हैं। अखबार बताते हैं मानसून कहां तक पहुंचा है और उत्तर भारत के प्रदेशों में कौन-सी तारीख तक सावन की पहली सुहानी बारिश लाएगा। इस बार की मानसून समय से तो पहले ही आई परंतु राहत की बजाय आफत लेकर आ गई। अभूतपूर्व बारिश ने हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली आदि के बड़े क्षेत्रों को बर्बादी के मंजर में तब्दील कर दिया। हिमाचल के कुल्लू-मनाली जैसे मनोरम पहाड़ जहां से निकलने वाली नदियों का जल कितने ही लोगों की जीवन रेखा है वही जल भीषण प्रलय-सा रूप धारण कर गया।

नदियों की जीवन रेखा को अपने उफनते हुए रौद्र रूप में न केवल जनजीवन को बल्कि पहाड़ों को भी निगलने के रौंगटे खड़े कर देने वाले दृश्यों को टेलीविजन और सोशल मीडिया पर देखा। देखते ही देखते ये तबाही हिमाचल के बाद पंजाब, हरियाणा और अन्य क्षेत्रों के लोगों पर कहर बनती हुई आगे बढ़ गई। इस बार सबसे ज्यादा हानि हिमाचल के लोगों को झेलनी पड़ रही है। जान-माल, आवास, फसल, बागान, पशुधन का भारी नुकसान हो चुका। आवास, होटल, दुकान, सड़क, पुल, गाड़ियां बह गए। भूस्खलन से तो पहाड़ों के हिस्से ही जगह छोड़ कर बिखरते दिखे। सैकड़ों लोग बह गए। पंजाब में सबसे ज्यादा नुकसान पटियाला व खरड़ जिलों में हुआ है जबकि हरियाणा के अम्बाला जिले में सबसे खराब स्थिति है। पटियाला से लगते कैथल जिले के गुहला-चीका, फतेहाबाद, सिरसा आदि को घग्गर नदी ने डुबोया। करनाल, पानीपत, सोनीपत, दिल्ली, फरीदाबाद यमुना नदी के उफान की चपेट में आ गए। खुद सरकारी आंकड़ों के अनुसार हरियाणा में साढ़े पांच लाख एकड़ से अधिक भूमि पर फसल, सब्जियां, बागबानी आदि नष्ट हो गई। मवेशी मरे हैं। डेढ़ हजार से ज्यादा गांव प्रभावित हुए हैं।

कई हजार घर गिरे हैं या दरार पड़ गई। फतेहाबाद व सिरसा क्षेत्रों में ज्यादातर किसान खेतों में घर बनाकर रहते हैं जिसे ढाणी बोलते हैं। खेत डूबने से उन्हें पशुओं सहित ढाणियां छोड़कर बाढ़ से बचते हुए रिश्तेदारियों में जाना पड़ा है। ढाणियों में क्या नुकसान होगा

और ट्यूबवेल कितने बचेंगे यह तो पानी उतरने पर ही मालूम हो पाएगा। मुख्य फसल धान है जिसकी रोपाई हो चुकी थी और किसान इसमें निवेश भी कर चुका था। दोबारा रोपाई तभी हो पाएगी यदि समय रहते पानी उतर जाए और पनीरी यानी नर्सरी कहीं से उपलब्ध हो सके। पशुओं के चारे का गहरा संकट पैदा हो चुका है। जहां जल्दी पानी नहीं उतरेगा वहां बिजाई नहीं हो पाएगी। भूमिहीन तबकों के मकान अक्सर गांव के बाहरी इलाके में होने के कारण पानी की चपेट में पहले आते हैं। उनको हर तरह की दिक्कतें अपेक्षाकृत ज्यादा आती हैं। सभी बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों से यह सामने आया है कि बाढ़ की रोकथाम के लिए प्रशासन की ओर से पर्याप्त तैयारी नहीं की गई जो वैधानिक तौर पर की जानी अनिवार्य है। नहरों, ड्रेनों व नालों की सफाई नहीं की गई। उनके किनारों को मजबूत नहीं किया गया। जो बड़े-बड़े हाईवे बने हैं उनसे पानी का कुदरती बहाव अवरुद्ध होना भी बाढ़ों का एक बड़ा कारण बना है। अक्सर सुनने या पढ़ने को मिलता है कि यदि इंसान प्रकृति से खिलवाड़ करेगा तो प्रकृति भी प्रतिशोध जरूर लेती है। ये एक ऐसा वाक्य है जिसमें आधा सच तो है पर बाकी का आधा चालाकी से छिपा लिया जाता है। प्रकृति से खिलवाड़ तो खूब हो रहा पर खिलवाड़ असल में इंसान नहीं कर रहा है बल्कि इंसान तो उसका हिस्सा है और प्रकृति व जीव जंतुओं के बीच परस्पर निर्भरता का रिश्ता है। प्रकृति का निर्मम दोहन तो पूंजीवाद कर रहा है जिसके मुनाफे की हवस उसी प्रकृति को भी नष्ट करने के कगार तक चली जाने को अभिशप्त है जो प्रकृति जीवन की सृजनहार होती है। आज के दौर में दुनिया में पूंजी की हवस का सरगना कार्पोरेट है जो साम्राज्यवाद की उसी महाशक्ति की बदौलत है जो प्रकृति और इंसान दोनों के दोहन से फलती-फूलती है।

बहरहाल, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग पर दुनिया में बड़ा विवाद चल रहा है जिसकी एक धारा वर्गीय स्वरूप की भी है। पश्चिम के विकसित देश तापमान को बढ़ाने में सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं परंतु इसके सबसे ज्यादा भुगतभोगी विकासशील व गरीब देश हैं। यह एक तरह का उत्तर-दक्षिण विभाजन है। प्राकृतिक प्रकोपों से बचने और मानवता को बचाने के लिए मौजूदा विकास मॉडल को बदल कर दूरगामी और वहनीय वैकल्पिक रास्ता अख्तियार करना होगा।

शिक्षा नीति के भारतीयकरण की तार्किकता

आज शिक्षा संस्थानों के परिसर तो बड़े-बड़े बन गए लेकिन उसमें उत्साही और समर्पित छात्रों का अभाव है। उन्हें लगता है कि जो पाठ्यक्रम नयी शिक्षा के नाम पर उन्हें दिए जा रहे हैं, वे आज भी उतने व्यावहारिक नहीं। लेकिन देश अपनी पुरातन संस्कृति की ओर भी देख रहा है। अपने बीते इतिहास में भी उजले बिंदुओं की तलाश कर रहा है और देश की नई युवा पीढ़ी को केवल विदेशी चकाचौंध ही नहीं बल्कि भारतीयता की नई और विस्तृत भावभूमि पर भी खड़ा कर देना चाहता है।

सुरेश सेठ

आज देश में ज्ञानार्जन को नयी परिभाषाएं और नये प्रतिमान दिए जा रहे हैं। इसे नयी शिक्षा नीति के लक्ष्य हेतु रोजगारपरक आयाम भी दिए जाते हैं। डिजिटल दुनिया की फोर जी, फाइव जी और सिक्स जी की ताकत ने विदेशों के विश्वविद्यालयों के द्वार भारतीय छात्रों के लिए खोल दिए हैं। अब उन्हें अध्ययन के लिए विदेशी वीजा जुटाने के स्थान पर अपने देश के विश्वविद्यालयों या शिक्षण संस्थानों में एक ही समय दो डिग्रियां अर्जित करने की इजाजत मिल गई। भले ही बहुभाषी संस्कृति का स्वागत करने के लिए कहा जा रहा है लेकिन क्षेत्रीय भाषायी कट्टरता उसके आड़े आ रही है। फिर भी हर दिन यूजीसी द्वारा ज्ञान के नये विस्तार के लिये नये द्वार खोलने का प्रयास होता है।

आज शिक्षा संस्थानों के परिसर तो बड़े-बड़े बन गए लेकिन उसमें उत्साही और समर्पित छात्रों का अभाव है। उन्हें लगता है कि जो पाठ्यक्रम नयी शिक्षा के नाम पर उन्हें दिए जा रहे हैं, वे आज भी उतने व्यावहारिक नहीं। लेकिन देश अपनी पुरातन संस्कृति की ओर भी देख रहा है। अपने बीते इतिहास में भी उजले बिंदुओं की तलाश कर रहा है और देश की नई युवा पीढ़ी को केवल विदेशी चकाचौंध ही नहीं बल्कि भारतीयता की नई और विस्तृत भावभूमि पर भी खड़ा कर देना चाहता है। जो कि सदियों से इस देश के नौजवानों को समर्थ बनाती रही है। इस विषय में शिक्षा के नियंताओं द्वारा स्कूली शिक्षा व उच्च शिक्षा तक बड़ी पहल की गई है। बहुत दिनों से जिस प्राचीन ज्ञान को अव्यावहारिक मानकर भुला दिया गया था, उसमें से भी ज्ञान के मोती तलाशकर नौजवानों को उपहार देने का मन बना लिया गया है। फैसला किया गया है कि आज बदलते माहौल में शिक्षा के नये मॉडलों में प्रत्येक विषय या कोर्स में भारतीय ज्ञान की उस सफलता को मिश्रित किया जाए जो कि न सिर्फ देश में नई पीढ़ी को भारतीय होने का अर्थ समझाए, उसे गर्व दे बल्कि उसे अपने ज्ञान की दुनिया में एक नई मौलिक पहचान भी दिला दे।

जाहिर है इसकी वापसी में शिक्षकों की बहुत बड़ी भूमिका होगी। इसके लिए उन्हें अपने उन वाचनालयों की गहराइयों में डूब जाने का संदेश होना चाहिए, जहां यह शिक्षा उनसे संवाद करने के लिए तैयार है। यूजीसी ने अहम पहल कर दी है। उसने भारतीय ज्ञान परम्परा पर पाठ्यक्रम भी डिजाइन कर दिया है। भारत को सोने की चिड़िया इसलिए कहा जाता था क्योंकि खगोल विज्ञान की स्पष्ट प्रामाणिक वैदिक धारणाएं थीं। सुश्रुत संहिता में तो प्लास्टिक सर्जरी और मोतियाबिंद सर्जरी के भी भेद लिखे गये हैं। जिन विद्वानों ने उस बीते युग की शिक्षा को आज तक प्रामाणिक बनाये रखा है, उनमें चरक हैं, सुश्रुत हैं, आर्यभट्ट हैं, वराहमिहिर हैं, भास्कराचार्य हैं। पाणिनी और पतंजलि व नारी की सबलता की प्रतीक मैत्रेयी और गार्गी जैसे विदुषियां हैं। उनके द्वारा प्रस्तुत ज्ञान का अध्ययन, शोध, नये पाठ्यक्रमों में शामिल होगा। यूजीसी अब विश्वविद्यालयों और कालेजों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को भारतीय ज्ञान परम्परा के तहत प्रशिक्षित करने जा रही है। भारतीय ज्ञान परम्परा के जो विषय आज के आधुनिक विषयों को पूर्ण बना सकते हैं, उनमें प्राचीन गणित, ज्योतिष, प्राचीन भारत में जल प्रबंधन हैं और शिक्षा के क्षेत्र भी शामिल हैं। यूजीसी ने इस फैसले के साथ शिक्षा को सम्पूर्ण बनाने के लिए एक बड़ी उड़ान भरी है। इसका स्वागत तो होना ही चाहिए। लेकिन जो सब पुराना है, वही श्रेष्ठ है, ऐसा आग्रह न हो। जो श्रेष्ठ है, उसे स्वीकारा जाए और जो समय के साथ चल नहीं पाया, उसे बीते युग के पन्नों में लुप्त हो जाने देना चाहिए।

कुछ उदाहरण लें, आज भी गीता का ज्ञान व्यावहारिक जीवन में जीने के लिए कितना समुचित है, गीता के सूत्र अगर व्यक्ति का पथ निर्देशित करें तो इंसानियत को जीने की नई दृष्टि मिल जायेगी। पाणिनी के सूत्र भाषाओं के आधार बन सकते हैं और कौटिल्य का अर्थशास्त्र जटिल होती अर्थव्यवस्था की दुनिया में एक नया रास्ता दिखा सकता है। संवेदनाशून्य, आपाधापी और स्वार्थपरता के साथ केवल अहम की तुष्टि वाले दौर में सर्वकल्याण के लिए जो वसुधैव कुटम्बकम का उद्घोष मार्गदर्शक है; जिसे भारत में हो रहे जी-20 के सम्मेलनों के लिए भी आदर्श सूत्र दिया जा रहा है, वह हमारे प्राचीन ज्ञान की ही देन है। जरूरत इस समय उस शोध और उस अन्वेषण की है जो पुराने ज्ञान को नकारे नहीं बल्कि उसके समुद्र में डुबकी लगाकर उन परिमार्जित ज्ञान सूत्रों को बाहर निकाल सके, जिसके पश्चिमी ज्ञान के साथ सम्मिश्रण से एक नये समाधान का ज्ञान-समुद्र खुल सकता है। नौजवान पीढ़ी को अंधेरे में भटकने की बजाय अगर पूर्व के खोए हुए इस ज्ञान की भारतीय सजगता के साथ आभूषित किया जाए तो निश्चित ही उन मानवीय संवेदनाओं और नैतिक आदर्शों की वापसी हो सकती है, जिनको आज हम पश्चिमी गलाकाट प्रतियोगिता की व्यावसायिकता के भारत के बाजारों में हावी होते देखते हुए लुप्त होता पा रहे हैं।

वेजिटेरियन डाइट से कम होगा वजन

हर कोई स्लिम-ट्रिम दिखना चाहता है। मोटापा किसी के लिए भी परेशानी का सबब होता है। बढ़ते वजन के कारण कई बीमारियां होती हैं। आजकल की भगदौड़ भरी जिंदगी के चलते लोगों के पास समय की बहुत कमी है। कुछ लोग समय निकाल कर एक्सरसाइज तो कर लेते हैं पर अपनी डाइट का खयाल नहीं रख पाते। वजन घटाने के लिए सिर्फ एक्सरसाइज करना ही काफी नहीं है। इसके लिए आपको सही डाइट लेना भी जरूरी है। लंबे समय तक संतुलित आहार का सेवन करने से वजन कम किया जा सकता है। वजन घटाने में ज्यादा हिस्सा हेल्दी डाइट का ही होता है।

संतुलित आहार लें

अगर आप वेज वेट लॉस डाइट फॉलो करते हैं, तो आपको संतुलित आहार लेना चाहिए। जैसे फ्रूट्स, वेजिटेबल, दालें, सीड्स और नट्स। इसके साथ ही कम से कम प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन करना चाहिए। एक संतुलित आहार फाइबर, विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इन सभी को अपनी डाइट में शामिल करने से आपकी हेल्थ अच्छी रहेगी और बीमारियां भी आसपास नहीं भटकेंगी। संतुलित आहार एक ऐसा आहार है जिसमें कुछ निश्चित मात्रा और अनुपात में विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ होते हैं ताकि कैलोरी, प्रोटीन, खनिज, विटामिन और वैकल्पिक पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में हो और पोषक तत्वों के लिए एक छोटा सा भाग आरक्षित रहे।

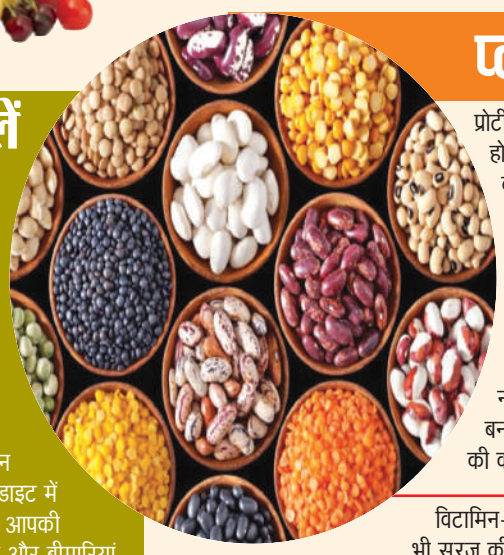

प्लांट प्रोटीन

प्रोटीन हेल्दी डाइट का जरूरी हिस्सा होता है। एक वेज डाइट में प्रोटीन व्यक्ति को सिर्फ पेड़-पौधों से ही प्राप्त हो सकता है। अगर आप वेजिटेरियन हैं, तो अपनी डाइट में दालें, चने, राजमा जरूर शामिल करें। इसके साथ ही टोफू, टेम्पेह को भी शामिल कर सकते हैं, तो वहीं सीड्स और नट्स को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। ये आपके शरीर में प्रोटीन की कमी को दूर करेंगे।

ओवर डायटिंग न करें

वजन कम करने के चक्कर में अक्सर कई लोग डायटिंग के नाम पर खाना ही छोड़ देते हैं। लेकिन बिल्कुल न खाना सेहत के लिए ज्यादा नुकसानदेह हो सकता है। इससे वजन घटने के बजाय और बढ़ सकता है। जब भी हम कंप्यूटर, मोबाइल या फिर टीवी देखते हुए खाना खाते हैं तो ऐसे में ओवरइटिंग हो जाती है।

विटामिन-डी

विटामिन-डी हमारी हड्डियों के लिए बेहद जरूरी है। अगर आप रोजाना 10 मिनट भी सूरज की रोशनी में नहीं रहते हैं, तो प्लांट बेस्ड मिल्क या साबुत अनाज को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। विटामिन डी तंत्रिका, मांसपेशियों और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में भी मददगार होता है।

न्यूट्रीएन्ट्स युक्त फूड्स

हर व्यक्ति के शरीर को सुचारू रूप से कार्य करने के लिए एनर्जी की जरूरत होती है। ये एनर्जी हमें सही रूप में खाद्य पदार्थों के सेवन से मिलती है। इसे हम पोषण के नाम से भी जानते हैं। पोषण को ही न्यूट्रिशन कहा जाता है। एक संतुलित आहार में सारे न्यूट्रिएन्ट्स जैसे विटामिन-बी12, ओमेगा-3, आयरन, जिंक का होना जरूरी है। जो मांसाहारी भोजन जैसे मीट, अंडे और मछली में पाया जाता है। लेकिन आप हरी पत्तेदार सब्जियों से भी इन न्यूट्रीएन्ट्स की कमी को दूर कर सकते हैं। वीगन टोफू, यीस्ट आदि से इन विटामिन्स की पूर्ति कर सकते हैं।

हंसना मना है

एक बुढ़िया का दामाद बहुत हीं काला था। सास -दामाद जी आप तो 1 महीना यहां रुको दूध, दही खाओ। मौज करो आराम से रहो यहां। दामाद -अरे वाह सासु मां आज बड़ा प्यार आ रहा है मुझ पे। सास- अरे प्यार व्यार कुछ नहीं कलमुहे? वो हमारी भैंस का बच्चा मर गया, कम से कम तुम्हे देख कर दूध तो देती रहेगी।

एक आदमी रात को गली के सामने खड़ा था। वहां के चौकीदार ने देखा तो कड़क कर पूछा- कौन हो तुम यहां क्या कर रहे हो? आदमी बोला, मेरा नाम शेर सिंह है। चौकीदार- बाप का नाम क्या है? आदमी- शमशेर सिंह। चौकीदार- कहां रहते हो? आदमी- शेरों वाले मोहल्ले में। चौकीदार- तो इतनी रात में यहां खड़े क्या कर रहे हो, जाओ अपने घर जाओ? आदमी- कैसे जाऊं, आगे कुत्ते भौंक रहे हैं।

शादी के बाद पति कैसे बदलते हैं, जरा गौर कीजिए, पहले साल- जानू संभलकर उधर गड्डा है। दूसरे साल- अरे यार देख कर उधर गड्डा है। तीसरे साल-दिखता नहीं, उधर गड्डा है। चौथे साल- अंधी है क्या, गड्डा नहीं दिखता? पांचवे साल- अरे उधर कहां मरने जा रही है, उधर गड्डा है।

कहानी | गुजरा हुआ वक्त दोबारा नहीं आता

एक नगर में एक बहुत ही अमीर आदमी रहता था, उस आदमी ने अपना सारा जीवन पैसे कमाने में लगा दिया, उसके पास इतना धन था, कि वह उस नगर को भी खरीद सकता था, लेकिन उसने अपने संपूर्ण जीवन भर में कभी किसी की मदद तक नहीं की। इतना धन होने के बावजूद, उसने अपने लिए भी उस धन का उपयोग नहीं किया, न कभी अपनी पसंद के कपड़े, भोजन, एवं अन्य इच्छा की पूर्ति तक नहीं की। वह केवल अपने जीवन में पैसे कमाने में व्यस्त रहा, वह इतना व्यस्त एवं मस्त हो गया पैसा कमाने में उसे उसके बुढ़ापे का भी पता नहीं चला, और वह जीवन के आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया। इस तरह उसके जीवन का अंतिम दिन भी नजदीक आ गया और यमराज उसके प्राण लेने धरती पर आये, जिसे देख कर वह आदमी डर गया, यमराज ने कहा, अब तेरे जीवन का अंतिम समय आ गया है, और मैं तुझे अपने साथ ले जाने आया हूं। सुनकर वह आदमी बोला-प्रभु अभी तक तो मैंने अपना जीवन जिया भी नहीं, मैं तो अभी तक आपने काम में व्यस्त था, अत: मुझे अपनी कमाई हुई धन दौलत का उपयोग करने के लिए समय चाहिए। यमराज ने उत्तर दिया-मैं तुम्हें और समय नहीं दे सकता, तुम्हारे जीवन के दिन समाप्त हो गये है, दिनों को और नही बढाया जा सकता। यमराज की बात सुनकर आदमी ने कहा- प्रभु मेरे पास इतना पैसा है, आप चाहो तो आधा धन लेकर मुझे जीवन का एक और बर्ष दे दीजिये। प्रतियुत्त्तर में यमराज ने कहा ऐसा संभव नहीं। इस पर आदमी ने कहा- आप चाहो, तो मेरा 90 प्रतिशत धन लेकर मुझे 1 महीने का समय ही दे दीजिए। यमराज ने फिर मना कर दिया। आदमी ने कहा- आप मेरा सारा धन लेकर 1 ही घंटा दे दीजिये। तब यमराज ने उसको समझाया- बीते हुए समय को धन से दोबारा प्राप्त नहीं किया जा सकता। इस प्रकार जिस आदमी को अपने धन पर अभिमान था, उसे वह सब व्यर्थ लगने लगा, क्योंकि उसने अपना संपूर्ण जीवन उस व्यर्थ चीज को कमाने में लगा दिया, जो आज उसे जिंदगी का 1 घंटा भी खरीद के नहीं दे पाई। दुखी मन से वह अपनी मौत के लिए तैयार हो गया।

7 अंतर खोजें

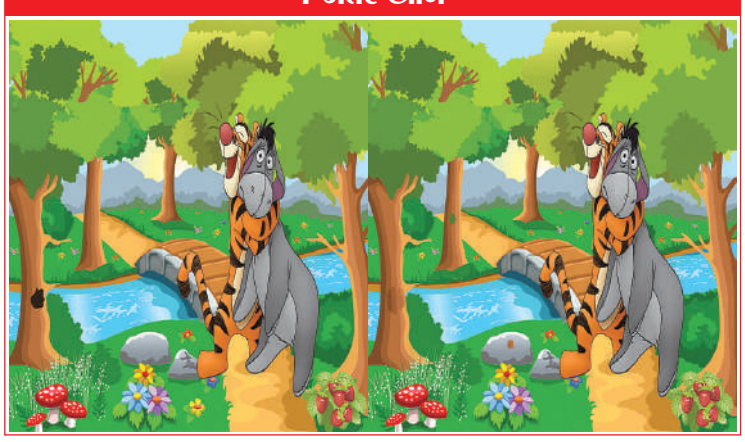

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे।

तुला

कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। वाणी पर संयम आवश्यक है। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृषभ

मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक

चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी।

मिथुन

लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है।

धनु

पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा।

कर्क

चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें।

मकर

घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे।

सिंह

शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा।

कुम्भ

शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं।

कन्या

दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

मीन

घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें। अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी।

पंगा क्वीन ने बॉलीवुड एक्टर्स पर लगाए गंभीर आरोप

कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर एक बार फिर ऋतिक रोशन के साथ अपने कथित अफेयर को लेकर खुलासा किया। उन्होंने साझा किया है कि बॉलीवुड एक्टर होने का नाटक करने वाले शख्स ने उनके साथ धोखाधड़ी की थी। कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, फिल्म माफिया हमेशा आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहा है, जिस सुपरस्टार को मैंने डेट किया, उसने बाद में दावा किया कि मैं उसके बहरूपिए को डेट कर रही थी। वह मुझसे चैट करने के लिए अलग-अलग नंबरों और अकाउंट्स का इस्तेमाल करता था, उसने मेरा अकाउंट भी हैक कर लिया और गलत तरीके से ऑपरेट किया। मुझे लगा कि वह तलाक के दौर से गुजर रहा है, लेकिन बाद में मुझे पता चला कि इस बात का उसके अजीब बर्ताव से कुछ लेना-देना नहीं था।

उन्होंने बताया कि जब फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात आती है तो फिल्म माफिया कैसे काम करते हैं। वे थोक में नकली टिकट खरीदते हैं और कलेक्शन में हेरफेर करते हैं और अनुचित अनुपात में भी बढ़ाते हैं... वे व्हाट्सएप डेटा की भी जासूसी करते हैं और खरीदते भी हैं। मैं हमेशा देखती हूं कि मेरे कॉन्ट्रैक्ट्स और निजी जिंदगी की जानकारियों को एकत्र किया जा रहा है। वे बेवकूफ लोग नहीं हैं, उनकी प्रवृत्ति ही आपराधिक है। यह बहुत डरावना है, साइबर क्राइम मुंबई कृपया कार्रवाई करें।

इसके बाद उन्होंने एक बार फिर रणबीर कपूर और आलिया भट्ट पर बिना नाम लिए हमला किया। कंगना ने कहा कि कैसे सुपरस्टार वुमनाइजर उसके घर आया था और उससे डेट करने के लिए विनती की थी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी शादी फर्जी है और यह बच्चा फिल्म के प्रमोशन के लिए है। उन्होंने आगे कहा, एक और सुपरस्टार, जो कि वुमनाइजर के रूप में जाना जाता है, वह मेरे घर आया और मुझसे डेट करने के लिए विनती की।

कंगना तेजस में आएंगी नजर

उसने यहां तक कहा कि उसकी शादी फर्जी है और बच्चा फिल्म प्रमोट करने की एक चाल है। मैं बेहद हैरान रह गई। यकीन ही नहीं हुआ कि नैतिक रूप से कोई इतना भ्रष्ट भी हो सकता है। वह इंसान नहीं राक्षस हैं, मैंने उन्हें नष्ट करने की ठान ली है। यही श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि धर्म का मुख्य उद्देश्य अधर्म को नष्ट करना है। वर्कफ्रंट की बात करें, तो कंगना अगली बार इमरजेंसी, तेजस और चंद्रमुखी 2 में नजर आएंगी।

बॉलीवुड | मसाला

बिग बॉस ओटीटी-2 से बाहर हुई आशिका भाटिया

कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 2 में वाइल्डकार्ड के रूप में एंट्री पाने वाली आशिका भाटिया को लेटेस्ट वीकेंड का वार एपिसोड में बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। आशिका ने दो हफ्ते पहले एल्विश यादव के साथ शो में वाइल्डकार्ड के तौर पर एंट्री की थी। उन्हें घर से बेघर होने के लिए मनीषा रानी के साथ नोमेनेट किया गया था।

बिगबॉस तक ने ट्वीट किया, ब्रेकिंग! आशिका भाटिया को बिग बॉस ओटीटी हाउस से बाहर कर दिया गया है। घर में रहने के दौरान, आशिका ने खुलकर बात करने में समय लिया। हालांकि, वह एल्विश, मनीषा और अभिषेक के करीब रही। पिछले हफ्ते के कैप्टेंसी टास्क के दौरान, आशिका को अविनाश सचदेवा पर अपना आपा खोते हुए देखा गया और उन्होंने यह सुनिश्चित कर लिया कि अविनाश यह टास्क न जीतें।

पूजा भट्ट ने टास्क जीता और कैप्टन बनीं। हालांकि, नॉमिनेट करना उनका फैसला था, जिसके चलते मनीषा और आशिका को नॉमिनेट किया गया। सूरत में जन्मीं आशिका ने 9 साल की उम्र में 2009 के शो मीरा से एक्टिंग डेब्यू किया था। वह परवरिश-कुछ खट्टी कुछ मीठी शो में भी नजर आई थीं। आशिका ने 2015 में सलमान खान के साथ फिल्म प्रेम रतन धन पायो में भी काम किया है। वह एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी हैं। फिलहाल शो में एल्विश, अभिषेक, जिया शंकर, मनीषा, जैद हदीद, बेबिका धुर्वे, अविनाश और पूजा मौजूद हैं। हालांकि, इंटरनेट पर फिल्ममेकर महेश भट्ट की बेटी पूजा के शो छोड़ने की खबरें आ रही हैं।

शो का एक और आकर्षण तब था, जब जिया को पूजा से यह कहते हुए सुना गया कि एल्विश के आसपास होने से वह असुरक्षित महसूस करती है। जिया ने पूजा से कहा कि आपके द्वारा गलत व्यवहार के बारे में बताने के बाद भी उसने कभी आकर आपसे माफी नहीं मांगी। हालांकि, उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि जिया उनके बारे में अफवाहें फैला रही हैं। एपिसोड में एल्विश को अपनी मां को वीडियो कॉल पर देखकर रोते हुए देखा गया।

बॉलीवुड | मन की बात

शादी से पहले मां बनना चाहती थीं कियारा आडवाणी!

कियारा आडवाणी ने बहुत कम वक्त में ही इंडस्ट्री में अपने मजबूती के साथ पैर जमा लिए हैं। इन दिनों एक्ट्रेस अपनी हालिया रिलीज फिल्म सत्यप्रेम की कथा की सक्सेस के कारण सातवें आसमान पर हैं। इस बीच कई बार एक्ट्रेस के प्रेग्नेंट होने के कयास भी लगाए गए। इस बीच उनका एक इंटरव्यू सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कियारा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर खुलकर बात की है। कियारा आडवाणी फिल्म गुड न्यूज में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ करीना कपूर, अक्षय कुमार और दिलजीत दोसांझ भी अहम रोल में थे। फिल्म में कियारा आडवाणी और करीना कपूर ने एक प्रेग्नेंट महिला का किरदार निभाया था। फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। वहीं इस फिल्म के प्रमोशन में कियारा ने अपने मां बनने पर खुलकर बात की थी, जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। एक इंटरव्यू में कियारा आडवाणी ने अपने मां बनने को लेकर बात की थी। एक्ट्रेस ने कहा थी कि मैं सिर्फ इसलिए प्रेग्नेंट होना चाहती हूं ताकि मैं वो सबकुछ खा सकूं जो मैं खाना चाहती हूं और मेरे लिए ये मायने नहीं रखता कि बच्चा लड़का हो या लड़की। वो जो भी हो बस स्वस्थ होना चाहिए। कियारा आडवाणी की इस बात को सुनकर हर कोई लोटपोट हो गया था। कियारा और सिड के प्यार की गवाह दुनिया है। भले ही शादी से पहले दोनों ने अपने रिश्ते को कभी न कबूल किया हो पर नकारा भी नहीं। कियारा आडवाणी ने 7 फरवरी 2023 को सिद्धार्थ मल्होत्रा से रॉयल शादी की थी दोनों की शादी राजस्थान के जैसलमेर के एक शाही किले में हुई थी। दोनों के बीच प्यार की शुरुआत ब्लॉकबस्टर फिल्म शेरशाह की शूटिंग के दौरान हुई थी। धीरे-धीरे दोनों का प्यार परवान चढ़ा और ये एक-दूसरे के प्यार में ऐसे गिरफ्तार हुए की सात जन्मों के लिए एक दूजे का हाथ थाम लिया।

पूरी जिंदगी मुफ्त में मिलेंगे बर्गर और कोल्ड ड्रिंक! बस पूरी करनी है छोटी सी शर्त

हर किसी की खाने में अपनी-अपनी पसंद होती है। कोई घर का खाना तो कोई बाहर का खाना पसंद करता है। कुछ को इंडियन स्ट्रीटफूड पसंद होते हैं तो कुछ लोगों को फास्ट फूड का शौक होता है। अगर आप भी उनमें से हैं, जिन्हें बर्गर, कोल्ड ड्रिंक और सैंडविच भाते हैं, तो एक ज़बरदस्त ऑफर सिर्फ ऐसे ही लोगों के लिए है। अगर इससे जुड़ी हुई शर्त आप पूरी कर पाए तो जिंदगी भर सैंडविच और कोल्ड ड्रिंक के पैसे नहीं देने होंगे।

ये ऑफर लेकर आई है अमेरिकी सबसे बड़ी सैंडविच चेन Subway। फास्ट फूड रेस्तरां फ्रेंचाइजी सबवे ने एक शानदार ऑफर देते हुए कहा है कि वो एक शर्त पूरी करने वाले कस्टमर को जिंदगी भर मुफ्त में खाना खिलाएगी। हालांकि शर्त भी कोई मेहनत भरी तो नहीं है लेकिन पूरी करने से पहले बहुत से लोगों को सोचना और समझना होगा। ये ऑफर 1 अगस्त से शुरू होकर 4 अगस्त की रात तक वैलिड रहेगा। कंपनी ने एक प्रतियोगिता रखी है, जिसमें हिस्सा लेने वाले प्रतियोगी को कानूनी तौर पर अपना नाम बदलकर 'सबवे' रखना है। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए SubwayNameChange.com पर 1 अगस्त को सुबह 9 बजे से 4 अगस्त रात 11 बजकर 59 मिनट के बीच साइन अप करना होगा। वेबसाइट के मुताबिक आधिकारिक नियमों के मुताबिक मिलने वाली सभी योग्य एंट्रीज़ में से 7 अगस्त, 2023 या उसके आसपास रैंडम ड्रॉ के हिसाब से एक संभावित विजेता का चयन किया जाएगा। विजेता को 50 हज़ार यूएस डॉलर यानि 41 लाख 13 हज़ार से भी ज्यादा कीमत के गिफ्ट कार्ड दिए जाएंगे, जिसकी वैलिडिटी लाइफटाइम की होगी। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले प्रतियोगी की उम्र 18 साल या इससे ज्यादा होनी चाहिए। कंपनी नाम बदलने के लिए विनर को खुद 750 यूएस डॉलर की कानूनी फीस का भुगतान करेगी। अपना नाम बदलने के लिए तैयार प्रतियोगी को 4 महीने के अंदर कंपनी को अपना नेम चेंज सर्टिफिकेट दिखाना होगा। एंट्री फॉर्म में आवेदक का पूरा नाम-पता, मेल और जन्मतिथि लिखनी होगी। इसमें उसे नाम बदलने के लिए अपनी सहमति भी देनी होगी, तभी जाकर उसका फॉर्म सबमिट होगा।

अजब-गजब | बिजली के बल्ब जैसी रोशनी के पीछे जानिए क्या है रहस्य ...

आखिर रात में क्यों चमकते हैं जुगनू?

दुनिया में अलग-अलग किस्म के तमाम जीव-जंतु हैं। हर किसी की अपनी खासियत होती है। कुछ जीव तो शहर और गांव सब जगह पर दिखते हैं तो कुछ जीव सिर्फ और सिर्फ गांव और जंगलों में ही दिखाई देते हैं। ऐसे ही जीवों में से एक होते हैं लाइटिंग बग यानि जुगनू। लोगों को इन्हें जलते और बुझते हुए देखना बेहद पसंद होता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि जुगनू आखिर क्यों चमकते हैं?

एक वक्त था, जब बड़ी आसानी से गांवों में या फिर किसी भी प्राकृतिक जगह पर जुगनुओं की पूरी खेप देखने को मिल जाती थी। हालांकि अब वक्त बदल चुका है और जुगनू आपको कभी-कभी ही दिखते हैं। ये विलुप्त हो रही प्रजातियों की कैटेगरी में आते हैं। इन्हें कुदरत ने चमकने की कला दी है, जिसके पीछे अपनी वजह और विज्ञान होता है।

वैसे तो आपने जुगनू की चमकते हुए कई तस्वीरें और वीडियो देखे होंगे, लेकिन आज आपको इसकी नज़दीक से वीडियो दिखाते हैं, जिसमें ये किसी इलेक्ट्रिक बल्ब की तरह जल और बुझ रहा है। उनके चमकने के पीछे अपनी एक वजह होती है। बताया जाता है कि जुगनू इसलिए चमकते हैं क्योंकि वो इसके जरिये मादा जुगनुओं को आकर्षित करते हैं और अपने लिए भोजन की तलाश करते हैं। जुगनू भी तीन रंग की चमक पैदा करते हैं हरा, पीला और लाल। वैसे एक फैक्ट और है कि जुगनुओं की तरह ही उनके अंडे भी चमकते हैं। नर और मादा जुगनू को पहचानना भी कोई मुश्किल नहीं है। दरअसल मादा जुगनुओं के पंख नहीं होते हैं और एक ही जगह पर चमकती हैं। वहीं नर जुगनुओं के पंख होते हैं और वे उड़ते हुए आसमान में भी चमकते रहते हैं। इन जीवों की खोज साल 1667 में रॉबर्ट बायल नाम जीव वैज्ञानिक ने की थी।

उनका कहना था कि जुगनू फास्फोरस की वजह से चमकते हैं, लेकिन बाद में वैज्ञानिकों ने बताया कि उनकी ये चमक ल्युसिफेरेस नाम के प्रोटीन की वजह से अंधेरे में पैदा होती है।

अपने वादे से पीछे हटी भाजपा : महबूबा

पीडीपी नेता का दावा- सरकार बनाने से पहले पीएम मोदी के सामने रखी थी 370 को न छूने की शर्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने दावा किया कि पीडीपी संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद ने 2015 में जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने पूर्व शर्त रखी थी और आश्वासन मांगा था कि केंद्र द्वारा संविधान के अनुच्छेद 370 को नहीं हटाया जाएगा। मुफ्ती ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनी प्रतिबद्धताओं से पीछे हट गई। उन्होंने कहा, भाजपा चाहती है कि हम हार मान लें।

हम ऐसा नहीं करेंगे... अगर हम सभी - हिंदू, मुस्लिम, सिख, गुज्जर, पहाड़ी - एकजुट हो जाएं, तो हम भाजपा को हार माननी पड़ी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के 24वें स्थापना दिवस पर एक सभा को संबोधित करते हुए मुफ्ती ने कहा कि उनके पिता सईद सत्ता के भूखे नहीं थे और जम्मू-कश्मीर को उसकी समस्याओं और परेशानियों से मुक्ति दिलाना चाहते थे। उन्होंने कहा, जब मुफ्ती साहब के पास (2014 के विधानसभा चुनाव में) 28 सीटें थीं, तो उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की और सरकार बनाने के लिए शर्तों की अपनी सूची दी। उन्होंने (केंद्र में) भाजपा सरकार से आश्वासन लिया कि (अनुच्छेद) 370 को नहीं छुआ जाएगा। उन्होंने उनके हाथ बांध दिए। वह सत्ता के पीछे नहीं थे, अन्यथा उन्हें (जम्मू-कश्मीर में) (गठबंधन) सरकार बनाने में तीन महीने नहीं लगते।

मेरे पिता किसी को गुमराह नहीं करते थे

उन्होंने कहा,केवल 16 विधायक होने के बावजूद (2002 के विधानसभा चुनावों में, मुफ्ती साहब ने कांग्रेस (जिसके पास 20 सीटें थीं) से कहा था कि वह सरकार तभी बनाएंगे, जब पाकिस्तान और अलगाववादियों के साथ बातचीत होगी। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उनके पिता लोगों को गुमराह करने में विश्वास नहीं करते थे और उनका दृढ़ विश्वास था कि जम्मू-कश्मीर का भविष्य भारत के साथ है। उन्होंने कहा, आपने कश्मीर में क्या हासिल किया है? जवाहरलाल नेहरू लाल चौक आए थे और हजारों कश्मीरियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। आज, आप तिरंगा फहराते हैं और वहां कोई कश्मीरी नहीं है, केवल सुरक्षाकर्मी होते हैं।

भाजपा पूरे देश को मणिपुर में बदलने की कोशिश कर रही

मुफ्ती ने आरोप लगाया कि भाजपा पूरे देश को मणिपुर में बदलने की कोशिश कर रही है और इन प्रयासों का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा, मणिपुर तो सिर्फ एक ट्रेलर है, फिल्म अभी शुरू होनी बाकी है। बीजेपी पूरे देश को मणिपुर बनाना चाहती है। विपक्ष से मेरी अपील है कि अगर वे भारत को बचाना चाहते हैं तो एकजुट रहें। नंबर गेम में न पड़ें। मुफ्ती ने पार्टी कैडर से इस साल के अंत में होने वाले पंचायत और अन्य स्थानीय निकायों के चुनावों के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा, बीडीसी और पंचायत चुनाव होने वाले हैं। इन जगहों को ले लीजिए ताकि आप लोगों की सेवा कर सकें।

महापौर से मिले नगर निगम के कर्मचारी

» महाप्रबंधक से मेयर बोलीं जल्द लें उचित निर्णय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जलकल, नगर निगम नियमित एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ-लखनऊ की 9 सूत्री कर्मचारी समस्याओं के मांग पत्र पर महाप्रबंधक जलकल विभाग लखनऊ द्वारा कोई उचित निर्णय ना लिये जाने के पर महापौर ने स्वत: संज्ञान लेते हुए अपने कैंप कार्यालय पर कर्मियों से वार्ता की।

बातचीत में महापौर ने महाप्रबंधक को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि दो दिन के अंदर वार्ता की कार्यवृत्त जारी करें तथा अनुकूल निर्णय लेकर कार्रवाई करें। महापौर जी ने संगठन को आश्वस्त भी किया की वह जल्द ही खुद सप्ताह में एक दिन जलकल विभाग में बैठकर समस्त कर्मचारियों की समस्याओं का संज्ञान लेंगी। संगठन की ओर से सर्वश्री शशि कुमार मिश्रा जी (प्रदेश अध्यक्ष-उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ), नितिन त्रिवेदी (अध्यक्ष-जलकल, नगर निगम नियमित एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ), आकाश कुमार गुप्ता (महामंत्री), रुदल राजभर (कोषाध्यक्ष), ऋषि कुमार, मनोज नायक, भारत सिंह चौहान, हरी लाल यादव, वीके श्रीवास्तव, मनोज कुमार, राम प्रताप, राज नारायण, आशीष भारती, राणा सिंह, अमरदीप यादव आदि पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

अमिताभ ठाकुर डीजीपी दफ्तर नहीं जाने देने को हाईकोर्ट में देंगे चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कन्नौज के भाजपा सांसद सुब्रत पाठक मामले में 3 दिन पूर्व डीजीपी दफ्तर जाकर अपना सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किए जाने से रोके जाने को आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच में चुनौती दी है।

अपनी याचिका में उन्होंने कहा है कि यूपी पुलिस द्वारा उन्हें अकेले संकेतिक विरोध के लिए नहीं जाने देना किसी भी प्रकार से सही नहीं है. उन्होंने कहा है कि जहां सरकार ने अब तक सुब्रत पाठक मामले में कोई कार्यवाही नहीं की है, वहीं उनके द्वारा अकेले जाकर सांकेतिक विरोध किए जाने की बात कहने पर ही उनके घर पर भारी पुलिस बल लगाकर उन्हें डीजीपी दफ्तर जाने से रोका जाना पूर्णतया असंवैधानिक है। उन्होंने इंस्पेक्टर गोमती नगर द्वारा दिए गए इस आदेश को निरस्त करते हुए उन्हें डीजीपी दफ्तर के सामने अकेले सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किए जाने की अनुमति दिए जाने की प्रार्थना की है। आजाद अधिकार सेना की डॉ नूतन ठाकुर ने यह जानकारी दी है।

फोटो :4 पीएम

धरना संविदा कर्मचारियों ने वेतन न मिलने पर कंपनी संचालक को हटाने की मांग को लेकर नगर आयुक्त के समक्ष रोष प्रकट किया।

बुमराह को टीम इंडिया की कमान, कृष्णा की वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चोटिल होने के कारण पिछले लंबे समय से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों की श्रृंखला के लिए कप्तान के रूप में भारतीय टीम में वापसी की जो आईसीसी वनडे विश्व कप से पहले भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के लिए अच्छी खबर है। भारत डबलिन के मालहाइड में 18, 20 और 23 अगस्त को तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा।

बुमराह का पीठ की चोट के लिए न्यूजीलैंड में ऑपरेशन किया गया था और वह पिछले कुछ समय से राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन पर थे। भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ बुमराह ने भारत की तरफ से अपना आखिरी मैच पिछले साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 के रूप में खेला था। बुमराह की कप्तान और तेज गेंदबाजी के अगुआ के रूप में दोहरी भूमिका को लेकर चर्चा हुई। यह 29 वर्षीय क्रिकेटर आयरलैंड दौरे के दौरान दोहरी भूमिका निभाने को लेकर उत्साहित था। बुमराह को भारत की अगुवाई करने का अनुभव है। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट मैच में भारत की कप्तानी की थी।

आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम की करेंगे अगुवाई

रुतुराज गायकवाड़ को टीम का उप कप्तान

चयनकर्ताओं ने कर्नाटक के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को भी टीम में शामिल किया है। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने भारत की तरफ से अपना अंतिम मैच पिछले साल अगस्त में जिंबाब्वे के खिलाफ हरारे में वनडे के रूप में खेला था। इसके बाद उन्होंने स्ट्रेस फ्रैक्चर के लिए ऑपरेशन करवाया था। बुमराह और प्रसिद्ध के लिए आयरलैंड दौरा खुद को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार करने के रूप में देखा जा रहा है। इसके बाद इन दोनों का श्रीलंका में अगस्त और सितंबर में खेले जाने वाले एशिया कप के लिए टीम में जगह बनाना तय है। रुतुराज गायकवाड़ को टीम का उप कप्तान नियुक्त किया गया है। कई नियमित खिलाड़ियों को टीम में नहीं चुना गया है जिनमें हार्दिक पंड्या और शुभमन गिल भी शामिल हैं। पंड्या और गिल की एशिया कप के लिए टीम में वापसी तय है। अभी यह दोनों वेस्टइंडीज में एकदिवसीय श्रृंखला खेल रहे हैं। आयरलैंड का दौरा कई खिलाड़ियों के लिए अच्छा मौका होगा क्योंकि इनमें से कई खिलाड़ी एशियाई खेलों की टीम में भी शामिल हैं। यह दौरा संजू सैमसन के लिए भी खुद को साबित करने का एक और अवसर प्रदान करेगा। चोटिल केएल राहुल और श्रेयस अय्यर हालांकि टीम में वापसी नहीं कर पाए। यह दोनों खिलाड़ी ऑपरेशन करवाने के बाद रिहैबिलिटेशन पर हैं।

लोकमान्य तिलक पुरस्कार से सम्मानित हुए पीएम मोदी

» महाराष्ट्र में कई परियोजनाओं की शुरुआत की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पुणे में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए गए। एनसीपी प्रमुख शरद पवार इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे उन्होंने पीएम मोदी को यह सम्मान दिया। शरद पवार के साथ सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार एक ही मंच पर मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पुणे में पुरस्कार ग्रहण करने के दौरान राकांपा प्रमुख शरद पवार से मंच पर बातचीत करते नजर आए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकमान्य तिलक को पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पुणे एयरपोर्ट पहुंचे। वहां पर महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़नवीस और अजित पवार ने स्वागत किया। पीएम ने विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।

खिलखिलाकर मोदी से मिले पवार

शरद पवार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात हुई तो चर्चा चल पड़ी। पवार की अपनी बनाई पार्टी टूटी, सत्ता छूटी, पिछले दिनों तक वह मोदी की आलोचना कर रहे थे लेकिन आज की तस्वीर कुछ अलग थी। मोदी से मिलकर पवार खिलखिलाकर हंस रहे थे। यह तस्वीर कुछ दिन पहले ही बने विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं को चुभ रही होगी। उन्होंने लाख कोशिशें की थीं कि मोदी के साथ पवार मंच साझा न करें लेकिन महाराष्ट्र के सियासी चाणक्य नहीं मानें। वह आज के कार्यक्रम के लिए कितना बेताब थे, वह आप ऐसे समझिए कि पुणे के उस मंच पर सबसे पहले जाकर बैठ गए थे।

ठाणे में गिरा क्रेन 17 की मौत, तीन घायल

» महाराष्ट्र में समृद्धि हाईवे पर हुआ दर्दनाक हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के शाहपुर में बन रहे समृद्धि हाईवे पर बड़ा हादसा हो गया। दरअसल यहां फ्लाईओवर बनाने के लिए इस्तेमाल क्रेन नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में 17 की मौत हो गई जबकि 3 जख्मी हो गए, जानकारी के मुताबिक रात में 12 बजे के करीब ये हादसा हुआ।

एनडीआरएफ की दो टीमें साइट पर काम कर रही हैं। अब तक 16 शव निकाले जा चुके हैं, अन्य छह लोगों के ढहे ढांचे के अंदर फंसे होने की आशंका है। पुलिस ने कहा कि मंगलवार को महाराष्ट्र के ठाणे जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे के तीसरे चरण के निर्माण के दौरान एक गर्डर मशीन गिरने से ये हादसा हुआ। मशीन एक विशेष प्रयोजन वाली मोबाइल गैन्ट्री क्रेन है जिसका उपयोग पुल निर्माण में किया जाता है, इसका उपयोग राजमार्ग और हाई-स्पीड रेल पुल निर्माण परियोजनाओं में प्रीकास्ट बॉक्स गर्डर्स स्थापित करने के लिए किया जाता है।

बचाव अभियान में लगे पुलिस व दमकलकर्मी

एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना मंगलवार तड़के शाहपुर तहसील के सरलांबे गांव के पास हुई, अधिकारी ने बताया कि पुलिस और दमकल कर्मी स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर बचाव अभियान में लगे हुए हैं, अधिकारी ने बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है, समृद्धि महामार्ग, जिसका नाम हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग है, मुंबई और नागपुर को जोड़ने वाला 701 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे है, यह नागपुर, वाशिम, वर्धा, अहमदनगर, बुलढाणा, औरंगाबाद, अमरावती, जालना, नासिक और ठाणे सहित दस जिलों से होकर गुजरता है। समृद्धि महामार्ग का निर्माण कार्य महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम द्वारा किया जा रहा है, नागपुर को मंदिर शहर शिरडी से जोड़ने वाले पहले चरण का उद्घाटन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2022 में किया था, यह 520 किमी की दूरी तय करता है, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मई में कहा था कि तीसरा और आखिरी चरण इस साल दिसंबर के अंत तक पूरा हो जाएगा।

फोटो: सुमित कुमार

शुभारंभ प्राणी उद्यान में अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कार्यक्रम का शुभारंभ करते वन मंत्री अरुण सक्सेना।

पीड़िताओं के बयान लेने पर 'सुप्रीम' रोक

» मणिपुर हिंसा केस की सुनवाई जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा मामले में आज दोपहर 2 बजे सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है। इससे पहले सीबीआई मणिपुर वायरल वीडियो से जुड़ी दुष्कर्म पीड़ित महिलाओं के बयान दर्ज करना चाह रही थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने एजेंसी को ऐसा करने से रोक दिया है, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दो बजे इस मामले की सुनवाई होगी, तब तक सीबीआई इंतजार करे, सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को भी मणिपुर हिंसा मामले में सुनवाई हुई थी, इस दौरान कोर्ट ने सभी पक्षों की बात सुनी थी।

दरअसल, रेप पीड़िता महिलाओं की ओर से अदालत को बताया गया कि सीबीआई आज दोपहर में दोनों के बयान लेना चाहती है, लेकिन कोर्ट की सुनवाई तक इस पर रोक लगाई जाए, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा,जब तक इस मामले पर सुनवाई कर फैसला ना हो, सीबीआई को इंतजार करने को कहा जाए।

वकील निज़ाम पाशा ने अदालत के सामने कहा कि सीबीआई पीड़ितों के पास आई है और बयान दर्ज करना शुरू कर दिया है, उन्हें रोका जाना चाहिए, क्योंकि आज दोपहर 2 बजे सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई होनी है, हम नहीं चाहते कि सीबीआई जांच हो, इसके बाद सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को निर्देश दिया कि वह सीबीआई से जांच को आगे न बढ़ाने के लिए कहें, तुषार मेहता ने सीजेआई से सहमति जताई।

सिद्धू मूसेवाला केस का आरोपी सचिन विश्नोई लाया गया भारत

» अजरबैजान से प्रत्यर्पित कर दिल्ली पहुंचाया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस के आरोपी सचिन विश्नोई को दिल्ली लाया गया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल उसे अजरबैजान से लेकर आई है। सचिन विश्नोई को प्रत्यर्पण के तहत भारत लाया गया है। सिद्धू मूसेवाला पर 29 मई को जानलेवा हमला हुआ था। हमलावरों ने मूसेवाला पर 12 राउंड फायरिंग की थी। उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया था।

पुलिस चार्जशीट के मुताबिक हत्या के पीछे गोल्डी बरार की साजिश थी। बता दें कि सचिन बिश्नोई, लॉरेंस बिश्नोई का भांजा है, जिसे सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। सिद्धू

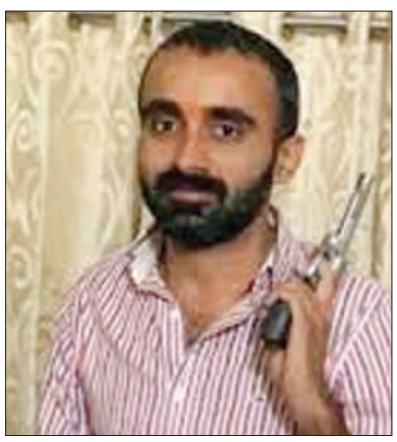

मूसेवालास की हत्या से कुछ दिन पहले सचिन बिश्नोई फर्जी पासपोर्ट बनाकर भाग गया था।

देश के कई हिस्सों में जमकर बरसेंगे बादल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मॉनसून अपने पीक पर है। अगले तीन दिनों में देश अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि उत्तर पश्चिम मौसम पूर्वानुमान मंगलवार से शुक्रवार

» मौसम विभाग का अलर्ट

की अवधि के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हल्की से लेकर भारी बारिश के आसार हैं। उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले चारों दिन बारिश होने की उम्मीद है। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इसे बुधवार से शुक्रवार तक देखने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में गुरुवार और शक्रवार को बारिश के आसार हैं। मध्य भारत की बात करें तो, मंगलवार से गुरुवार के दौरान हल्की से मध्यम छिटपुट से लेकर काफी भारी बारिश का अनुमान है। पूर्वी मध्य प्रदेश में तीनों दिन बारिश होने की संभावना है, जबकि उत्तरी छत्तीसगढ़ में मंगलवार और बुधवार को बारिश होगी। उत्तर पश्चिमी मध्य प्रदेश और विदर्भ में बुधवार और गुरुवार को बारिश होने की उम्मीद है। बुधवार को पूर्वी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की भी संभावना है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।